IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

व्यक्तित्व–शीलगुण एवं बलाघात

PERSONALITY TRAITS AND STRESS

Dr. Parmanand Pandey

The present study attempts to explore the relationship between personality traits and stress among college students by administering Cattell's 16 PF and Bisht's Stress Scale. It is evident from the results that High and Low Sten Scorers belonging to different Personality Factors A, B, C, E, G, I, L, O, Q_2, Q_3 and Q_4 have scored significantly different mean scores on Stress Scale.

Key words :- Personality Traits, Stress.

परिचय (INTRODUCTION)

व्यक्तित्व का अध्ययन मनोविज्ञान की एक अत्यन्त जटिल समस्या हैं।

यह कहा जाता है कि व्यक्ति एक दूसरे स` व्यक्तिगत विशेषताओं एवं शीलगुणों के संदर्भ में भिन्न हो जाता है। व्यक्तित्व को मनावे ैज्ञानिकों ने सामाजिक रूप से अनुमोदित–अनानुमोदित शीलगुणो ं में सन्तुलन एव ं व्यक्ति के व्यवहार या गुण, व्यक्ति की संरचना का गठन, व्यवहार, अभिरूचि, अभिवृत्ति, क्षमतायें, योग्यतायें एवं अभिवृत्तियां` का` प्रकट करने की विधियों के रूप में परिभाषित करने का प्रयास किया है। व्यक्ति की विशेषताओं एव ं अर्न्तव्यैक्तिक भिन्नताओं के अध्ययन की मान्यताओं से

व्यक्तित्व के अध्ययन का` प्रोत्साहन मिला। व्यक्तित्व की जैव सामाजिक परिभाषायें–व्यक्ति के सामाजिक उद्दीपक मूल्य, सर्वाधिक परिभाषायें व्यक्ति के समस्त गुण तथा समाकलनात्मक परिभाषायें व्यक्तित्व के संगठनात्मक प्रकार्य पर बल देती है। इस प्रकार व्यक्तित्व शब्द जनमानस मे ं प्रचलित अवश्य है, परन्तु न ता` इन

परिभाषाओ ं मे ं मतैक्य है और न ही यह परिभाषायें सारयुक्त है।

व्यक्तित्व का प्रत्यय इसीलिये महत्वपणू र् है कि समस्त मनावे ैज्ञानिक क्रियाओ ं के सम्मिलित प्रभाव स` ही व्यक्तित्व का क्षत्रे जीव विज्ञान, मनोविज्ञान एवं समाज मनोविज्ञान का मिश्रण है। व्यक्तित्व में सम्पणू र् व्यक्ति की आनुवांशिकता, जैविक, सामाजिक, मनावे ैज्ञानिक जन्मजात एव ं अर्जित शीलगुण, आदत, अभिवृत्ति, मूल अभिप्रे णायें, व्यवहार प्रकटीकरण की विधियां आदि सम्मिलित है जा` वातावरण के प्रति उसमें अपणू र् समायोजन का निर्धारण करती है (Allport 1937)। व्यक्तित्व विशेषताअे ं में पायी जाने वाली अपणू र्ताओ ं एव ं भिन्नताआं` के हाते` हुए भी एंतिहासिक काल स` ही व्यक्तियां` के वर्गीकृत करने का प्रयास किया गया है तथा स्वभाव भेद के आधार पर उनका वर्गीकरण क्राध्े ाी, आशावादी, भाव शून्य एव ं विषादी के रूप में व सामाजिकता के आधार पर अन्तर्मुखी–बर्हिमुखी (Jung) के रूप में, मूल्य के आधार पर सैद्धान्तिक, आर्थिक, सौन्दर्यात्मक, सामाजिक, राजनैतिक एव ं धार्मिक के रूप में, (Spranger) शरीर की बनावट के आधार पर, लम्बाकृतिक, आयतातिक, गाले ाकृतिक (Sheldon) के रूप में, चित्र प्रकृति के आधार पर कृशकाय, पुष्टकाय एव ं स्थूलकाय (Kretschmer) आदि में वर्गीकृत किया गया है। व्यक्तित्व के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त करने के लिए सैद्धान्तिक उपागमां`(Cattell 1970) की कारक प्रणाली

सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने व्यक्तित्व का` परिभाषित करते हुए कहा है– "व्यक्तित्व शीलगुणो ं के आधार पर हम यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि व्यक्ति किसी परिस्थिति विशेष मे ं किस प्रकार का व्यवहार करगे ा।" साहित्य सर्वेक्षण **(Review of Literature)**

अनेक अनुसंधानकर्ताओ ने व्यक्तित्व शीलगुण और मनावै ज्ञानिक प्रक्रियाओ ं से सम्बन्धित अध्ययन किया है, जिसमें समायोजन (Singh 1977), सृजनशीलता (Sharma 1978), अनुमोदन अभिप्रे णा (Tripathi 1983), प्रत्यक्षीकरण (Witkin, 1954), अधिगम (Jacobson et.al. 1969, Gaudry, Eric C.D. & Sp1970), कार्य जटिलता (Howarth & Eysenck 1958, Elliot, 1972), शैक्षणिक उपलब्धि (Child 1964, Madan 1967) एव ं उपलब्धि (Shanta mani & Hafeez 1968) Saklos Fske, H.D., et.al. (2012) व्यक्तित्व व सांवेगिक बुद्धि, Afshar, Hamid, et.al. (2015) व्यक्तित्व शीलगुण व समायोजन, A Pollak, M. Dobrowolska, et.al. (2020) विग–5, P. Andreas, O. Economides (2020) जाब संतुष्टि व व्यावसायिक दबाव, B. Ahadi, M. Narimani (2010) व्यक्तित्व शीलगुण व शिक्षा, Childs Emma, T. White et.al. (2014) सांवेगिक व शारीरिक दबाव, Maryam Mirhaghi, Saeid Sarabian (2016) प्रात्याक्षके दबाव व व्यक्तित्व शीलगुण, M. Varvara, K. Nailya, V. Marina (2018) स्व–नियमन और व्यक्तित्व शीलगुण, C. Ciprian, M. Cornelia (2015) सामाजिक सहयागे व आपदा दबाव, G. Broly, Fry Andrew et.al. (2023) निर्णयन एवं प्रत्याक्षिक व्यक्तित्व शीलगुण, V.E. Colin, K. Aleksandra et.al. (2023) मनोविकृति व्यक्तित्व और दबाव, N. Naderi, F. Shaabani et.al. (2024) खले दबाव, आदि का अध्ययन 16 व्यक्तित्व कारक प्रश्नावली के संदर्भ में किया है जिसस` यह संकेत प्राप्त हाते ा है कि संज्ञानपरक प्रक्रियाओ ं यथा प्रत्यक्षीकरण, चिन्तन, सम्प्रत्यय, समस्या समाधान की प्राप्ति आदि में व्यक्तित्व परिवर्त्यो की महत्वपूर्ण भूमिका है तथा वस्तुओ, परिस्थितियों एव ं उनके सम्बद्ध लक्षणों का` समझने के लिए व्यक्ति के व्यक्तित्व शीलगुण उसे सहयागे प्रदान करते हैं। परन्तु किसी अनुसंधानकर्ता ने व्यक्तित्व शीलगुण एव ं बलाघात के मध्य प्रकार्यात्मक सम्बन्धो ं का अध्ययन नही ं किया है। अतः इस रिक्त स्थान की पूर्ति की दिशा में अनुसंधानकर्ता का यह एक लघु प्रयास है।

विधि **(METHOD)**

प्रतिदर्श एवं परीक्षण प्रशासन **(Sample and Test Administration)**

महाविद्यालय स्तर पर अध्ययनरत छात्रों एव ं छात्राओं के बलाघात पर व्यक्तित्व शीलगुणो ं के अध्ययन के लिये सर्वप्रथम छात्रों एवं छात्राओं पर Cattell's 16 Personality Factor Questionnaire का` प्रशापसित किया गया और उन्हें व्यक्तित्वशीलगुणों के प्रथम एवं द्वितीय क्रम व्यक्तित्व कारकों पर प्राप्त निम्न एवं उच्च स्टेन प्राप्तांकों के आधार पर अनेक समूहों एवं उपसमूहो ं में वर्गीकृत किया गया। तत्पश्चात उन पर Bisht Battery of Stress का` प्रशासित किया। इस प्रकार छात्रों एव ं छात्राओं के बलाघात पर व्यक्तित्व के विभिन्न शीलगुणो ं के प्रभाव का अध्ययन किया गया।

परिणाम एवं व्याख्या **(Result & Explanation)**

तालिका संख्या–1

व्यक्तित्व कारक	व्यक्तित्व शीलगुण	निम्न स्टने प्राप्तकर्ता			उच्च स्टेन प्राप्तकर्ता			टी मलू य	सार्थकता स्तर
		संख्या	मध्यमान	प्रा0वि0	संख्या	मध्यमान	प्रा0वि0		
A	गम्भीर प्रति वाह्यगामी	30	3426.83	20.07	30	3405.05	28.86	13.2	.01
B	कम बुद्धिमान प्रति अधिक बुद्धिमान	30	3436.77	12.89	30	3410.91	29.83	4.36	.01
C	संवेगात्मक अस्थिर प्रति संवेगात्मक स्थिर	30	3420.11	28.56	30	3363.82	22.63	8.48	.01
E	विनम्र प्रति आग्रह	30	3404.49	31.31	30	3421.46	29.58	2.16	.05
F	सौम्य प्रति प्रसन्नचित	30	3378.6	22.41	30	3390.16	23.72	1.94	असार्थक
G	स्वार्थ साधक प्रति सद विवेकी	30	3432.43	17.32	30	3408.00	39.56	3.908	01
H	लज्जालु प्रति साहरिक	30	3406.77	29.77	30	3399.39	28.69	.938	असार्थक
I	कठोर प्रति संवेदनशील	30	3384.7	17.85	30	3409.02	28.68	3.94	.01
L	विश्वसनीय प्रति शंकालु	30	3387.83	24.8	30	3406.67	30.33	3.858	.01
M	व्यवारिक प्रति काल्पनिक	30	3379.73	21.11	30	3389.9	33.22	1.416	असार्थक
N	स्पष्टवादी प्रति चालाक	30	3389.25	31.58	30	3393.76	32.35	.504	असार्थक
O	आश्वस्त प्रति आशंकित	30	3392.43	31.04	30	3421.6	27.49	2.63	.05
Q_1	रूढिव् ादी प्रति प्रयोगवादी	30	3393.85	31.14	30	3492.97	31.57	1.127	असार्थक
Q_2	समूह आश्रित प्रति आत्म पर्याप्त	30	3381.56	18.59	30	3424.23	24.90	7.52	.01
Q_3	अनानुशासित प्रति अनुशासित	30	3412.09	31.39	30	3383.83	15.90	3.36	.01
Q_4	विश्रान्त प्रति तनावपूर्ण	30	3382.83	18.68	30	3403.86	28.73	8.43	.01

व्यक्तित्व कारक 'ए'– संयमी प्रति वाह्यगामी उत्तरदाताओ ं का बलाघात मापनी पर प्राप्त मध्यमान प्राप्तांको ं का अंतर सांख्यकीय दृष्टिकाण ा स` सार्थक (t = 13.2 > .01) प्राप्त हुआ है, जा` वाह्यगामी उत्तरदाताओ ं की तुलना में गम्भीर उत्तरदाताओ ं में अपेक्षाकृत अधिक बलाघात की ओर संकते करता है, जिसका तात्पर्य

है कि जो उत्तरदाता गम्भीर, विरक्त, आलोचनात्मक, एकाकी, कठोर, अपने विचारो ं मे ं स्थिर, वस्तुनिष्ठ एव ं अविश्वासपणू र्ा होते हैं, उनमे ं बलाघात की मात्रा एव ं आवृत्ति अपक्षे ाकृत अधिक पायी जाती है। ठीक इसक` विपरीत जा` उत्तरदाता वाह्यगामी हाते` हैं व` सहृदय, सहज, सहगामी, सांवेगिक रूप स` अभिव्यंजक सहयागे करने का` तत्पर, कामे ल हृदय, अनुकूल एवं अच्छे स्वभाव वाले, लागे ों की बात का` ध्यान से सुनने वाले और विश्वसनीय होते हैं, उनमें बलाघात की मात्रा एव ं आवृत्ति अपक्षे ाकृत कम पायी जाती है। व्यक्तित्व कारक 'ए' पर निम्न स्टने प्राप्तकर्ता जिनमें सिजोथिमिया (Sizothymia) पाया जाता है वे असामान्य नही ं होत` हैं, परन्तु उनकी स्वाभाविक आनति सावधानीपूर्वक हाते ी है, इसलिये व` समझौता न करने वाल` तथा आलोचक हाते` हैं और व्यवहार तथा शैली में विचित्रपूर्ण ढंग स

े तटस्थ हाते े हैं, अपने संवेगों को बिना सोचे समझे नही ं प्रकट करत े हैं तथा उनका दृष्टिकोण आलोचनात्मक हाते ा है। इसीलिए उनमें बलाघात की मात्रा एव ं आवृत्ति अपेक्षाकृत अधिक पायी जाती है। ठीक इसक े विपरीत उच्च स्टने प्राप्तकर्ताआं े में अफवे टॉथिमिया (Affectothymia) पायी जाती है, एसे े उत्तरदाताओं में बलाघात की मात्रा एव ं आवृत्ति कम प्राप्त की गयी है, क्योंकि वे सहज होते हैं। दूसरो ं में रूचि लते े हैं, दूसरो ं की बाते मानते हे ं तथा दूसरो ं के प्रभाव में आ जाते हैं। ऐसे व्यक्ति अपनी समस्याओं में नही ं उलझे रहते हैं, बल्कि उनका ध्यान समाज एव ं मानवता पर भी हाते ा है। यही नही ं यह सामाजिक मान्यताआं े को मानते हैं, वाह्यगामी उत्तरदाताओ ं की यह विशेषताये ं बलाघात की आवृत्ति एवं मात्रा में ह्रास लाती है। इसलिये बलाघात मापनी पर इनका मध्यमान प्राप्तांक गम्भीर उत्तरदाताओं की अपक्षे ाा कम प्राप्त हुआ है।

तालिका–1 में प्रस्तुत मध्यमान प्राप्तांक यह संकते प्रदान करते हैं कि अधिक बुद्धिमान परीक्षार्थियो ं की तुलना में कम बुद्धिमान परीक्षार्थियों में बलाघात की मात्रा एव ं आवृत्ति अधिक पायी जाती है। कम बुद्धिमान परीक्षार्थियों में बलाघात की मात्रा एव ं आवृत्ति अधिक पाये जाने का मुख्य कारण यह है कि उनका बौद्धिक स्तर निम्न हाते ा है, उनमें अनुमादे न की अभिवृत्ति अधिक पायी जाती है, उनकी मानसिक क्षमता निम्न हाते ी है, वे अमूर्त समस्याओं (Abstract Problems) का समाधान नहीं कर सकते हैं, उनका मनाबे ल निम्न हाते ा है, व े लिपिकीय कार्य (Clerical job) के लिए अधिक उपयुक्त हाते े हैं, उनमे ं दूरदर्शिता का अभाव हाते ा है तथा उचित देखभाल न हाने े के कारण आसानी से गलत कार्यों में लग जात े हैं। इन सब लक्षणो ं के आधार पर यह कहा जा सकता है कि उनमे ं बलाघात की मात्रा अधिक पाये जाने के लिये यही लक्षण उत्तरदायी है। ठीक इसके विपरीत अधिक बुद्धिमान (उच्च स्टेन प्राप्तकर्ता) उत्तरदाताओ ं में कम बलाघात का े प्रदर्शित किया है जा े इस तथ्य की ओर संकते करता है कि जिन परीक्षार्थिया े की बौद्धिक क्षमता अधिक हाते ी है, जा े अधिक संयत विचारों वाले, अन्तर्दृष्टि रखने वाले होते हैं, जो बुद्धिमत्ता पर्ू ा ढंग से समायोजन करते है, बहुमुखी रूचिया े वाले हाते े हैं तथा उत्तम निर्णय लने े वाले होत े हैं, जिनका मनाबे ल उच्च हाते ा है, जिनमें सत्ता का अनुमादे न करने की संभावना कम पायी जाती है जा े निर्देश का े तार्किकता की कसौटी पर परखना चाहते हैं यही नहीं, अधिक परिश्रम का े अवांछनीय समझते हैं। इसीलिये उनमें बलाघात की मात्रा अपेक्षाकृत कम पायी जाती है। बुद्धिमान व्यक्ति के व्यक्तित्व की यह विशेषताये ं बलाघात की मात्रा एव ं आवृत्ति में ह्रास लाती है। इसलिए बलाघात मापनी पर इन्हें कम प्राप्तांक प्राप्त हुए है जा े बुद्धिमान उत्तरदाताओ ं में कम बुद्धिमान उत्तरदाताओ ं की तुलना में कम बलाघात के पाये जाने की ओर संकते करते हैं। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि प्राप्त परिणाम इनके व्यक्तित्व विशेषताओ ं के अनुरूप ही है।

व्यक्तित्व 'सी' पर संवेगात्मक स्थिर परीक्षार्थियो ं की तुलना में संवेगात्मक अस्थिर परीक्षार्थियों में बलाघात की मात्रा एवं आवृत्ति अधिक प्राप्त की गई है जिसका पम्र ुख कारण यह है कि संवेगात्मक अस्थिर परीक्षार्थियो ं में संवगे ात्मक अस्थिरता पायी जाती है, उनकी अहम् शक्ति निम्न स्तर की हाते ी है, व े शीघ्रता से घबड़ाने वाले हाते े हैं, असन्ताषेजनक दशाओं में उत्पन्न कुण्ठा की सहनशीलता कम हाते ी है, व े थकान अनुभव करते हैं, यथार्थ स े बचने का प्रयास करते हैं, इसलिये उनमे ं मनाेस्नायु विकृति पायी जाती है, उनमे ं पाये जान े वाल े यह व्यक्तित्व लक्षण उनके बलाघात की मात्रा एव ं आवृत्ति की वृद्धि मे ं सहायक हाते े हैं। ठीक इसके विपरीत बलाघात मापनी पर उच्च स्टने प्राप्तकर्ताओं (संवगे ात्मक स्थिर) का मध्यमान प्राप्तांक अपक्षे ााकृत कम प्राप्त हुआ है, जा े इस तथ्य की ओर संकते करता है कि जिन व्यक्तिया े में संवेगात्मक स्थिरता पायी जाती है, जो यथार्थ का सामना करते हैं, शान्त एव ं परिपक्व हाते े हैं तथा शीघ्रता स े घबड़ाने वाले नही ं हाते े हैं। उनमें उच्च अहम शक्ति हाते ी है, जा े समूह का मनाबे ल बनाये रखते है, न सुलझने वाली समस्याओं के प्रति व े चतुरता स े समायाजे न स्थापित कर लते े है तथा उनमें नेतृत्व गुण अधिक पाया जाता है, उनमें बलाघात की मात्रा एवं आवृत्ति अपक्षे ााकृत कम पायी जाती है। तालिका संख्या–1 में उन उत्तरदाताओं के बलाघात मापनी पर प्राप्त मध्यमान प्राप्तांकों का े प्रस्तुत किया गया है जिनको प्रथम क्रम व्यक्तित्व कारक 'ई' पर विनम्र एवं आग्रही में वर्गीकृत किया गया है। मध्यमान मूल्यो ं स े यह संकते प्राप्त हाते ा है कि स्वग्राही उत्तरदाताओं ने विनम्र उत्तरदाताओ ं की अपेक्षा बलाघात की अधिक मात्रा एवं आवृत्ति को प्रदर्शित किया है। दोनों समूहों के मध्यमानो ं के मध्य विद्यमान अन्तर की सार्थकता का परीक्षण करने पर प्राप्त टी–मूल्य 2.16 सांख्यकीय दृष्टिकोण स े.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक प्राप्त हुआ है, जिसस े शोध परिकल्पना की पुष्टि हाते ी है, जिसका तात्पर्य यह है कि उत्तरदाताओं में विनम्र अथवा आग्रही प्रवृत्ति के पाये जाने के कारण बलाघात की भिन्न–भिन्न मात्रायें एवं आवृत्ति उनमें पायी जाती है। अस्तु प्राप्त परिणाम उपकल्पना का समर्थन करता है।

प्रथम व्यक्तित्व कारक 'ई' पर आग्रही उत्तरदाताओं ने विनम्र उत्तरदाताओ ं की अपक्षे ाा बलाघात की अधिक मात्रा एव ं आवृत्ति का े प्रदर्शित किया है, जिसके कारणस्वरूप यह कहा जा सकता है कि जिन व्यक्तिया े में विनम्रता, मृदुलता, अनुसारकता के गुण पाये जाते हैं उनमें बलाघात की मात्रा एव ं आवृत्ति अपेक्षाकृत कम पायी जाती है। चूंकि इनम े दूसरे व्यक्तियों का े रास्ता देने की प्रवृत्ति पायी जाती है, व े

आश्रित हाते` हैं, गलतियों का` सरलता स` मानने वाले हाते` हैं, सही कार्यों के प्रति उत्सुकता पायी जाती है तथा उनमें सामाजिक–सामूहिक उत्तरदायित्वहीनता (Social loafing) कम पायी जाती है (Srivastava 1996)। इसलिये उनमे ं बलाघात की मात्रा भी कम पायी जाती है। जबकि उच्च स्टने प्राप्तकर्ता (आग्रही) स्वाग्रही, अनाश्रित, आक्रामक, प्रतिस्पर्धात्मक, हठीला, आत्म आश्वस्त, नियम विरोधी तथा स्वतंत्र विचार वाल` हाते` हैं, उनमें कार्य के प्रति उत्सुकता कम पायी जाती है (Cattell 1970), यही नहीं इनमे ं अधिकारियों एव ं नेता के प्रति कम सम्मान पाया जाता है। यह स्वयं के प्रति नियम विराध े ी, अधिनायकवादी तथा अधिकारियों का न सम्मान करने वाल` होत` हैं, इसीलिये उनमें बलाघात की मात्रा अपेक्षाकृत अधिक पायी जाती है।

व्यक्तित्व कारक एफ 'सौम्य प्रति पन्न न्चित' के सन्दर्भ में प्राप्त मध्यमान मूल स` यह संकते प्राप्त हाते ा है कि 'सौम्य' एव ं पन्न न्चित उत्तरदाताओ ं मे ं बलाघात की भिन्नतापरक मात्रा पाया जाना स्वाभाविक है, परन्तु यह अन्तर सांख्यिकीय दृष्टिकोण से असार्थक है।

व्यक्तित्व कारक 'जी' पर निम्न स्टेन प्राप्तकर्ताओं (स्वार्थसाधकों) ने अधिक बलाघात को इसलिये प्रदर्शित किया है क्योंकि इनकी पराअहम (Supper ego) शक्ति दुर्बल हाते ी है। एसे` व्यक्ति स्वार्थ साधक, नियमोलंघक तथा कृतघ्न हाते` हैं, एसे` व्यक्ति अपने उद्देश्यों की पूर्ति में अस्थिर हाते` है। समूह एव ं संस्कृति की अपक्ष े ाओ ं के प्रयास में पिछड़े रहते हैं तथा समूह की अपक्ष े ाओ ं स` अलग रहने के कारण समाज विराध े ी हो जात` हैं, समाज के बन्धन का विराध े ा इन्हें कम परेशान करता है। ठीक इसके विपरीत व्यक्तियों की पराअहम (Supper ego) शक्ति दृढ़ हाते ी है, एसे` व्यक्ति सद्विवेकी लगनशील तथा नियमबद्ध हाते` हैं, उनमे ं कर्तव्य की भावना प्रधान हाते ी है तथा यह उत्तरदायित्व पू र् ा एवं नैतिक हाते` है (Cattell 1970)। इसीलिये इनमे ं बलाघात की मात्रा एव ं आवृत्ति कम पायी जाती है। व्यक्तित्व कारक 'एच' – 'लज्जालु प्रति साहसिक' कारक के सन्दर्भ मे ं प्राप्त बलाघात प्राप्तांकों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि यद्यपि लज्जालु एव ं साहसिक उत्तरदाताओ ं की व्यवहारपरक विशेषताये ं पूर्णतया एक दूसरे से भिन्न है, फिर भी दोनों समूह के उत्तरदाताओ ं ने बलाघात मापनी पर ऐसा मध्यमान मूल्य प्रस्तुत किया है, जिनका अन्तर सांख्यिकीय दृष्टिकोण से असार्थक प्राप्त हुआ है।

व्यक्तित्व कारक 'आई' कठोर मनस्क के उत्तरदाताओ ं में बलाघात की कम उपलब्धता तथा कामे ल मनस्क के उत्तरदाताओ ं में अधिक उपलब्धता की व्याख्या मनावे ैज्ञानिक शब्दावली में इस प्रकार की जा सकती है कि कठारे प्रकृति के उत्तरदाता आत्मविश्वासी, बुद्धिपूर्ण, व्यवहारिक, पुरुषत्वपू र् ा, स्वतंत्र तथा उत्तरदायी हाते` हैं। कभी–कभी ये अविचलित भी हाते` हैं। इसलिये उनमे ं बलाघात की मात्रा अपक्ष े ाकृत कम पायी जाती है, जबकि 'संवेदनशील' प्रकृति के उत्तरदाताओं की प्रकृति कामे ल कारक की हाते ी है। वे आश्रित, अति सुरक्षित, संवेदनशील, सुकुमार तथा दिवास्वप्नीय हाते` हैं। व` दूसरों का ध्यान आकृष्ट करना चाहते हैं तथा दूसरों की सहायता करना चाहते हैं। इनमे ं धैर्य की कमी हाते ी है और नीरस व्यवसाय को पसन्द नही ं करते हैं। एसे` व्यक्ति समूह कार्य में पिछड़े रहते हैं (Cattell 1970)। सामूहिक कार्यों में उपयुक्त सहभागिता न प्रदर्शित करक` पिछड़े रहने का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। इन विशेषताओ ं के आधार पर हम सहज ही यह कह सकते हैं कि इन्हीं व्यक्तित्व विशेषताओ ं के कारण इनमें बलाघात की मात्रा अधिक पायी जाती है। Cattell (1970) के अनुसार– "सबस` पहल` विलियम जेम्स ने 'कामे ल प्रति कठोर' मनादे शा की अभिरचना का` लाके प्रिय बनाया।" आधुनिक प्राकृति–पोषण साक्ष्य भी यह स्पष्ट करता है कि यह अभिरचना अपने मूल में व्यापक रूप स` परिवश े ीय एव ं सांस्कृतिक है।

व्यक्तित्व कारक 'एल' विश्वसनीय प्रति शंकालु के विश्वसनीय उत्तरदाता अनुकूल, योग्य, ईष्यारहित, प्रसन्नचित्त मिलनसार तथा अप्रतिद्वन्दितापूर्ण हाते` है, एसे` व्यक्ति दूसरों की परवाह करने वाल` तथा मिलकर काम करने वाले हाते` हैं। यही कारण है कि उनमें बलाघात की मात्रा कम प्राप्त हुई हैं, ठीक इसक` विपरीत शंकालु प्रवृत्ति की प्रधानता वाले उत्तरदाता शंकालु तथा स्वमत वाल` होत` हैं। इन्हे ं मुर्ख बनाना कठिन हाते ा है, यह अविश्वास करने वाले तथा संदेहयुक्त हाते` है, यह अपने अहम (ego) में लीन रहते हैं (Cattell 1970), यह प्रत्येक व्यक्ति में ही नहीं वरन प्रत्येक वस्तु में भी शकं ा करते हैं। इस प्रणाली का सार "प्रक्षेपण एव ं आन्तरिक तनाव" है, एसे ` व्यक्ति मनारे चनाओ–ं प्रक्षेपण पर अधिक निर्भर करते है। जिनकी महत्वपू र् ा भूमिका पैरानाइे या (Paranoia) में है (Cattell, Tatro & Komlos 1964, 1965), प्राधिकार के प्रति कम स्वीकृति प्रदर्शित करते हैं (Pandey 1993), उनमें ईर्ष्या पाई जाती है, व` कट्टर होत` हैं तथा कुण्ठाओ ं के बीच झूलते रहते हैं। वे न ता` समूह में आसानी से काइे ं कार्य कर पाते हैं और न उत्पन्न आन्तरिक तनाव का ` कम स` कम कर पाते है (Srivastava 1996)। इसलिये अपने इस विशेष प्रकार की प्रवृत्ति के कारण प्राधिकार व्यक्तियों को आसानी से

स्वीकार नही ं कर पाते हैं, क्योकि उनमे ं आन्तरिक तनाव पाया जाता है (Pandey 1993)। इसलिये उनमे ं आन्तरिक तनाव के कारण बलाघात की मात्रा एव ं आवृत्ति भी अधिक पायी जाती है।

व्यक्तित्व कारक 'एम' – 'व्यवहारिक प्रति काल्पनिक' के संदर्भ में यह कहा जा सकता है कि Cattell (1970) ने व्यवहारिक एवं काल्पनिक व्यक्तियों के लिये अलग–अलग व्यक्तित्व शीलगुणो ं का वर्णन किया है, परन्तु प्रस्तुत अध्ययन के संदर्भ में निःसन्देह यह कहा जा सकता है कि दोनों समूहां ं मे ं शीलगुण सम्बन्धी वैभिन्नयता के पाये जान ं के कारण बलाघात की भिन्न–भिन्न मात्राये ं प्राप्त अवश्य हुई है, परन्तु सार्थक ढंग से बलाघात को प्रभावित नही ं करती है, क्योंकि प्राप्त टी अनुपात साख्यिकीय दृष्टिकोण से किसी भी सम्मानजनक स्तर पर सार्थक नही ं है।

व्यक्तित्व कारक 'एन' – 'स्पष्टवादी प्रति चालक' के सन्दर्भ में दानो ं उत्तरदाताओ ं के मध्यमान प्राप्तांक एक दूसरे स ं भिन्न है तथा उनमे ं पायी जाने वाली बलाघातपरक भिन्नता का कारण उनका व्यक्तित्वशीलगुण है, परन्तु दोनो ं समूहो ं द्वारा प्राप्तांक मध्यमानों का अन्तर सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक नही ं है।

व्यक्तित्व कारक 'ओ' – आश्वस्त प्रति आशंकित के आश्वस्त उत्तरदाताओ ं में बलाघात प्राप्तांक के कम पाये जाने का कारण उनकी स्वआश्वस्तता, सौम्यता, विश्वस्तता शान्तिप्रियता एव ं निष्कण्टक उपयुक्तता है और वस्तु स्थिति स ं निपटने वाल ं होते हैं। व ं अपने में लोचदार एव ं सुरक्षित हाते ं हैं। स्वआश्वस्त उत्तरदाता समीचीन हाते ं हैं। वे दूसरो ं के अनुमादे न एव ं अनानुमादे न के प्रति असवं दे नशील हाते ं है, इनकी महत्वपणू र्ा विशेषताओ ं में "दूसरों की परवाह न करना" तथा "भय न करना" प्रमुख है। एसे ं व्यक्ति किसी वैयक्तिक या अवैयक्तिक प्रकार के प्राधिकार व्यक्ति को स्वीकार नहीं करते है (Cattell 1970)। इसीलिये उनमे ं बलाघात की मात्रा कम पायी जाती है। ठीक इसक ं विपरीत उत्तरदाताओं में ग्लानि उन्मुखता की प्रधानता पायी जाती है। एसे ं व्यक्ति आशंकित, चिन्तायुक्त, अवसादी, परेशान तथा मूड़ी हाते ं हैं। कठिनाइयों में उनमें बचकानेपन की चिन्ता हा ं जाती है। वह अपने को समूह द्वारा स्वीकार किया जाना नही ं मानते है, उनमे ं निन्दनीय लक्षण उत्पन्न हो जाते है (Cattell 1970) तथा उनमे ं सामाजिक उत्तरदायित्वहीनता अधिक पायी जाती है (Srivastava 1966)। Cattell (1970) का मत है कि जिन व्यक्तियों में आशंकितशील गुण की प्रधानता हाते ी है, व ं स्वयं तक ही सीमित रहते हैं, असुरक्षित महसूस करते हैं, चिन्तित हाते ं हैं, उनमे ं अवसाद पाया जाता है, व ं धर्म भीरू हाते ं है तथा उनमे ं अनुपयुक्त प्रवृत्तियाँ पायी जाती हैं। इसीलिये आशंकित उत्तरदाताओ ं मे ं बलाघात मापनी पर बलाघात परक व्यवहार की मात्रा एव ं आवृत्ति का ं अधिक प्रदर्शित किया है।

व्यक्तित्व कारक 'क्यू' – रूढ़िवादी प्रति प्रयोगवादी– के मध्यमानों मे ं अंतर अवश्य पाया जाता है, परन्तु मध्यमान अन्तर सांख्यिकीय दृष्टिकाणे ा स ं सार्थक नही ं प्राप्त हुआ है।

व्यक्तित्व कारक 'क्यू$_1$' – समूह आश्रित प्रति आत्म पर्याप्त के समूह आश्रित उत्तरदाता गम्भीर, अनुसारक हाते ं हैं, एसे ं लागे दूसरे लोगों के साथ काम करना एव ं निर्णय लेना पसन्द करते हैं, यह सामाजिक अनुमोदन पर आश्रित रहते हैं, व्यक्तिगत विचारों का ं त्याग कर समूह पर निर्भर रहते हैं। यह स्वभाव स ं यूथचारी नही ं हाते ं है, परन्तु समूह की सहायता चाहते हैं तथा इनमें समूह संक्षिप्ति पाया जाता है (Cattell 1970)। व्यक्तित्व की इन्हीं विशेषताओ ं के कारण समूह आश्रित उत्तरदाताओ ं में बलाघात की मात्रा कम पायी जाती है। ठीक इसक ं विपरीत आत्मपर्याप्ति शीलगुण के उत्तरदाताओ ं ने बलाघात मापनी पर अधिक मध्यमान मूल्य का ं प्रदर्शित किया है, क्योंकि ऐसे व्यक्ति स्वपर्याप्ति, स्वनिर्णयाश्रित, पोषक, चित्त प्रकृति स ं स्वतंत्र, स्वमार्ग पर चलने वाले, स्वनिर्णय लने ं वाले तथा कार्य करने वाले हाते ं हैं, यह व्यक्ति जनमत पर कम ध्यान देत ं हैं और प्रभुत्व नही ं जमाते हैं, व ं लोगो ं का ं नापसन्द नही ं करते हैं, लेकिन दूसरों के समर्थन की परवाह भी नही ं करते हैं।

व्यक्तित्व कारक 'क्यू$_2$' – अनानुशासित प्रति नियंत्रित पर अनानुशासित उत्तरदाता स्वच्छन्द, नये आचार–विचार के प्रति लापरवाह तथा स्वप्रेरणापालक होते हैं। एसे ं व्यक्ति इच्छाओं पर नियंत्रण तथा सामाजिक अपक्षे ाओ ं के प्रति लापरवाह हाते ं है, व ं बाध्य रूप स ं ध्यान देने वाले या कष्ट सहने वाल ं नही ं होत ं हैं तथा अपानुकूलित अनुभव करते हैं, इनमे ं निम्न संगठन पाया जाता है (Cattell 1970)। ऐसे उत्तरदाताओ ं में सामाजिक उत्तरदायित्वहीनता अधिक पायी जाती है (Srivastava 1996)। इसीलिये इनमे ं बलाघात की मात्रा कम प्राप्त हुई है। ठीक इसक ं विपरीत अनुशासित उत्तरदाता सामाजिक यथार्थवादी तथा स्व प्रतिमापालक हाते ं हैं, ऐसे व्यक्ति अपने संवेग तथा

सामान्य व्यवहार पर नियंत्रण करने वाल` होते हैं, वे सामाजिक जानकारी रखते हैं तथा व` सब सम्मान तथा सामाजिक प्रतिष्ठा पर ध्यान रखते है (Cattell 1970)। इसलिये उनमें बलाघात की मात्रा एव ं आवृत्ति अपेक्षाकृत कम पायी जाती है।

व्यक्तित्व कारक 'क्यू$_4$' – विश्रान्त प्रति तनावपूर्ण के विश्रान्त उत्तरदाता शान्त, निष्क्रिय, कुण्ठारहित, सौम्य तथा संतुष्ट हाते` हैं, इनकी अति सन्तुष्टि इन्हे ं सुस्त तथा अभिप्रेरणा रहित बना देती है। इसीलिये इनके कार्य निष्पादन मे ं कमी पायी जाती है, उनमें एरगिक तनाव (Ergic tension) निम्न मात्रा में पाया जाता है, वे शान्त होत` है उनमें काइ ं कुण्ठा नही ं पायी जाती है, व` प्रकृतिस्थ हाते` हैं, वे अपने वातावरण के प्रति अति सन्तुष्ट हाते` हैं। परिणामस्वरूप उनमें बलाघात की मात्रा एवं आवृत्ति भी कम पायी जाती है, ठीक इसक` विपरीत तनावपूर्ण उत्तरदाता कुण्ठित, अर्न्तनोदित, अतिव्यग्र, अशान्त तथा उत्तेजनापूर्ण हाते` हैं, समूह मे ं एकता, अनुशासन तथा नेतृत्व के प्रति इच्छा दृष्टिकाण न नही ं रखते हैं, उनकी उत्तजे ना में उनकी कुण्ठा दिखाई पड़ती है (Cattell 1970)। इसीलिये ही तनावपूर्ण उत्तरदाताओं में बलाघात की मात्रा अधिक प्राप्त हुई है।

REFERENCES

Spranger, E. (1928) : Labenformen (translated into english under the title - Type of man) Hattle Germany, Neimeyer.

Cattell, R.B. (1970) : Personality and mood structurs questionnairs, London, Methuen.

Elliot, C.D. (1972) : Attempt to influence performance on an insight problem Psychological Report, 9, 35-42.

Srivastava, A.K. (1996) : A Comparative Study of Social loafing among respondents of different personality trait in relation to the social class birth, birth order sex and culture, unpublished Ph.D. Thesis, V.B.S. Purvanchal University, Jaunpur.

Pandey, A.N. (1993) : A Comparative Study of attitude towards authority figure among collegiates of different personality trait in relation to their cultural correlates. Unpublished Ph.D. Thesis, V.B.S. Purvanchal University, Jaunpur.

Saklofske, H.D., Elizabeth, Austin et.al. (2012) : Relationship of Personality, effect, emotional intelligence and coping with student stress and academic success, Learning and Individual Difference, S. Vol. 22(2), Page 251-257; https://doi.org/10.1016/j.lindij.2011.02.010

Afshar, Hamid, Adibi et.al. (2015) : The association of personality traits and coping styles according to stress level. Journal of Research in Medical Science, 20(4), P. 353-358, Journals.www.com/jrms/fulltext/2015/20040.

A Pollak, M. Dobrowolska and Mateusz Paliga, et.al. (2020) : The effect of the Big five personality Traits on Stress among Robot Programming Students, MDPI Journal, Vol. 12(12), https://doi.org/10.3390/5412125196.

P. Andreas, D., Economides (2020) : the Big Five Personality Traits, Occupational Stress and Job Satisfaction. European Journal of Businesss and Management Research, Vol. 5(4), DO2 10.24018/ejbmr.2020.5.4.410.

B. Ahadi, M. Narimani (2010) : Study of relationship between personality Traits and Educations. Trakia Journal of Science, Vol. 8(3), Pp. 53-60. ISSN- 1313-7050 : http:/www.uni-sz.bg.

Childs Emma; T. White et.al. (2014) : Personality Traits Modulate Emotional and Physiological Responses to Stress. Behavioural Pharmacology 25 (5 and 6), P. 493-502, DOZ : 10.1097/FBP.00000000000064.

Mirhaghi M., Sarabian S. (2016) : Relationship between Perceived Stress and Personality traits in Emergency Medical Personnel. Journal of Fundamentals of Mental Health, Vol. 18(5), 265-71, http://jfmh.mums.ac.ir.

M. Varvara, K. Nailya, V. Marina (2018) : Self Regulation and Personality Traits in over coming Acute and Chranic Stress. Psychology and Education. 10.15405/epsbs.2.2018.11.02.51.

C. Ciprian, M. Cornelia (2015) : The relation between Personality Traits, Social Support and Traumatic Stress. Revista de cercetare si, interventie Social, Vol. 44(48), P. 17-31.

G. Brody, Foy Andrew et.al. (2003) : Relationships between Personality Traits and Perceived Stress in Surrogate Decision - Makers of Care Unit Patients. American Journal of Hospics and Palliative Medicin, Vol. 41(6), https:/doi.org/10.1177/10499091231197662.

V.E. Colin & K. Aleksandra et.al. (2023) : Personality Pathology and Momentary Stress Processes Sage Journals, Vol. 12(4), Clinical Psychology Science, http://doi.org/10.1177/21677026231192483.

N. Naderi, F. Shaabani et.al. (2024) : The relationship between Personality Traits and Sports. Injuries, Based on the Stress and Sports injury model. Scientific Journal of Rehabilitation Medicine, Vol. 13(1), Page 217, DOZ.10.32598/SJRM.13.1.16.